22 (b) भारत में अंतर-राज्य और सीमापार स्थानांतरणों से जुड़ी समस्याओं की चर्चा कीजिए और इन समस्याओं से उबरने की नीतियों और उपायों को सुझाइए।

उत्तर-) भारत जैसे सर्वसंपन्न विशाल देश में अत्यधिक विषमता व्याप्त है, चाहे वह लोगों की जाति-धर्म-संप्रदाय से संबंधित हो चाहे पर्यावरणीय संसाधनों अवस्थाओं या खनिज संपदा के वितरण हेतु। सभी क्षेत्रों में सुविधाओं तथा संसाधनों के असमान वितरण तथा क्षेत्रीय स्तर पर उच्च जनसंख्या घनत्व के प्रभाव से एक जगह के लोग बेहतर आजीविका, शिक्षा, सुविधाओं हेतु एक जगह से दूसरे जगह पलायन करते हैं, जिसे **प्रवास** कहा जाता है।

भारत में पलायन प्रमुखतः तीन प्रकार के होते हैं! —

प्रवास

- **अंतरराष्ट्रीय प्रवास**
  - राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर दूसरे देश
  - अमेरिका, कनाडा, यू.के., आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जर्मनी, खाड़ी-पूर्वी देश आदि।
  - अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य पड़ोसी देश से भारत आगमन
- **प्रदेशांतर प्रवास**
  - देश के भीतर ही एक राज्य से दूसरे राज्य।
  - उत्तर प्रदेश तथा बिहार से बड़ी संख्या में लोगों का मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, बेंगलुरु आदि जाना।
- **अंतः-प्रादेशिक प्रवास**
  - एक ही राज्य के एक स्थान से दूसरे स्थान
  - ग्राम से नगर में
  - नगर से गाँव में
  - गाँव से गाँव में
  - शहर से शहर में

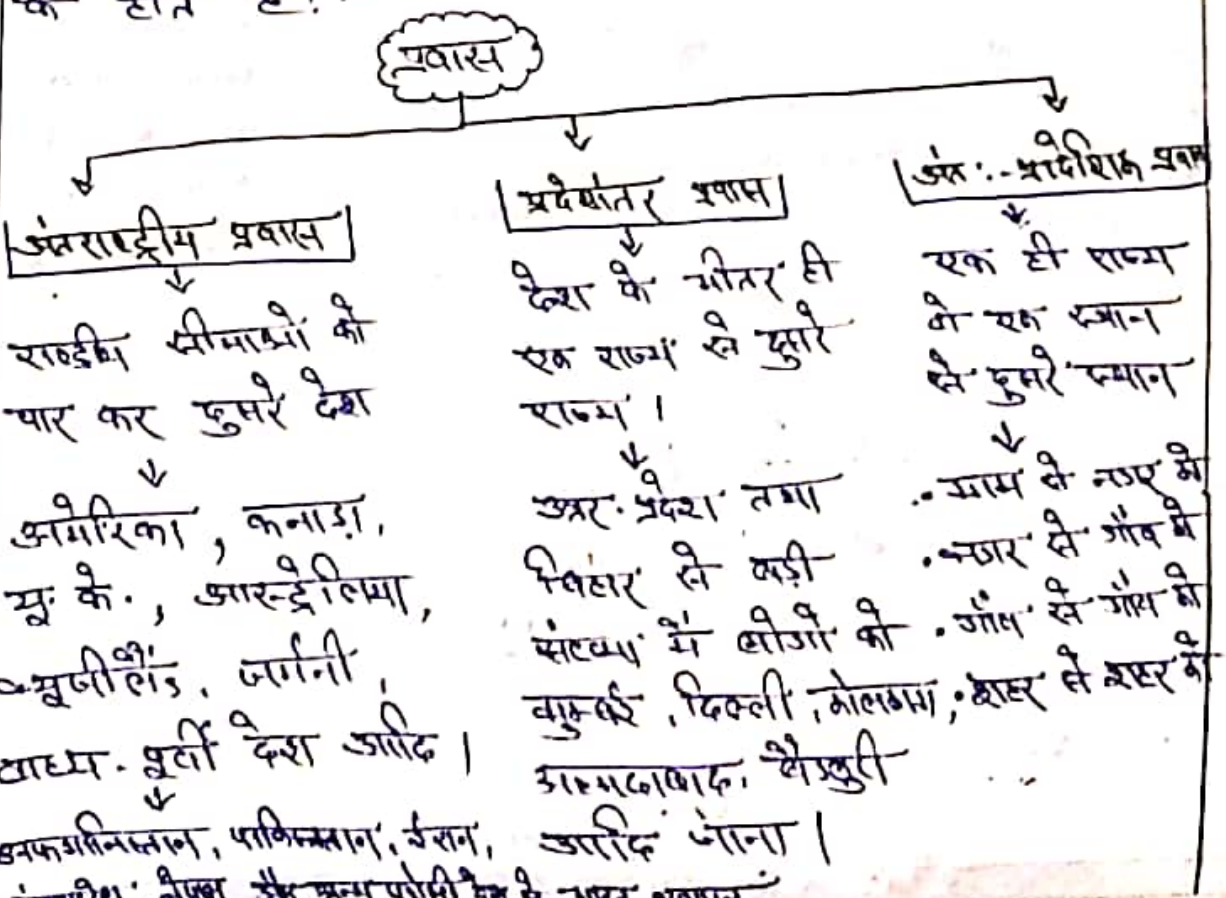

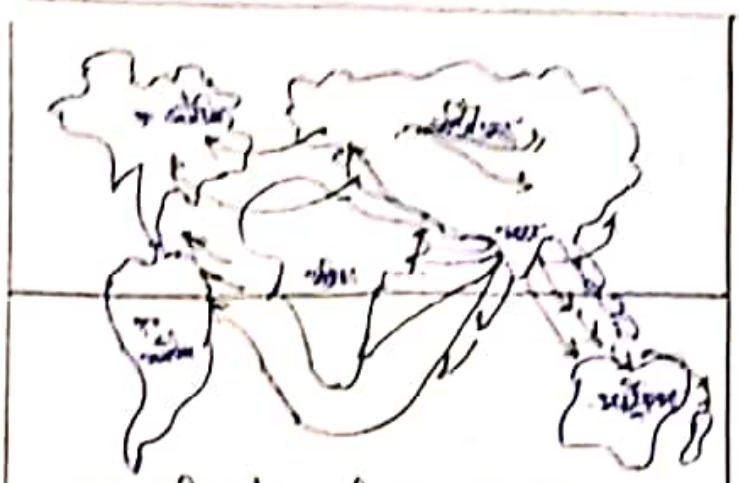

भारत से अंतरराष्ट्रीय प्रवास

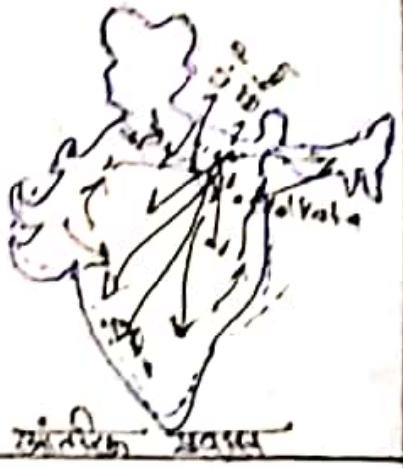

आंतरिक प्रवास

• प्रवास के कारण

→ प्रवास के कई कारण निहित होते हैं, जिनमें सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक कारक प्रमुख होते हैं। कुछ कारणों का वर्णन निम्नलिखित है: —

प्रमुख कारण

- **आजीविका** → उचित आजीविका हेतु लोग एक देश से दूसरे देश या दूसरे प्रवास करते हैं।
- **विवाह** → विवाह महत्वपूर्ण सामाजिक कारक है जिसमें महिलाएँ अपने घर-परिवारों को छोड़ के दूसरे स्थान जाती हैं।
- **शिक्षा** → उच्च शिक्षा या गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्ति के लिए छात्र युवक प्रवास करते हैं।
- **सुरक्षा** → राजनीतिक तथा जातीय दंगों के कारण लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाते हैं।

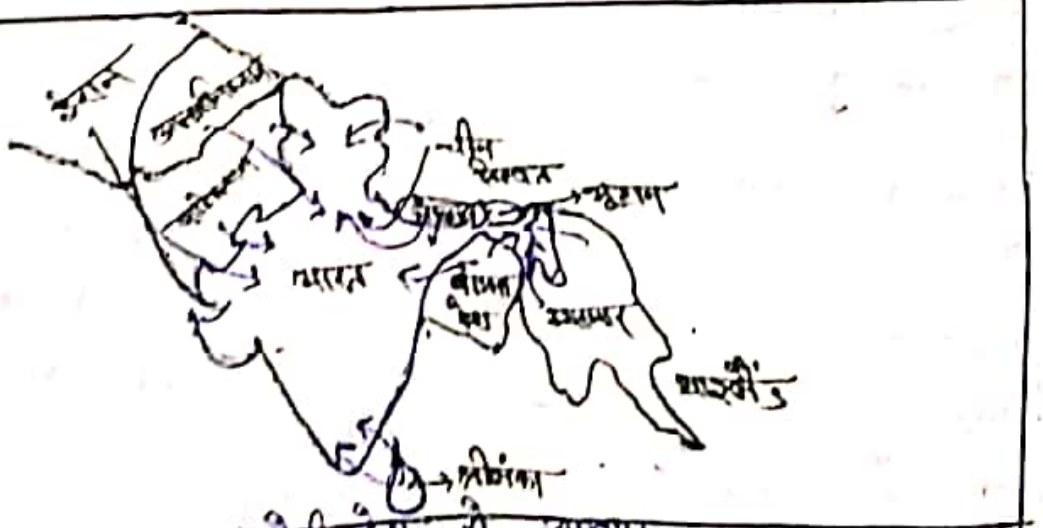

भारत: पड़ोसी देशों से प्रवास

भारत के अंतर राज्य और सीमा पार स्थानांतरण से जुड़ी समस्या! —

भारत में स्थानांतरण से जुड़ी कई समस्या व्याप्त है! —

(1) भारतीयों द्वारा प्रवास की समस्या
- → डॉक्टरों के विदेशों पलायन से देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों में गिरावट।
- → काम न मिलने पर प्रवासियों के रोजी-रोटी पर आफत
- → बेरोजगारी का बढ़ना या प्रचंड बेरोजगार
- → निम्न जीवन स्तर का होना।
- → विदेश में रह रहे भारतीयों की रोजी-रोटी छीनने से भारत में रेमिटेंस की कमी।

⇓ सबका परिणाम

बेरोजगारी

(2) भारत में पड़ोसी देशों से आए प्रवासी की समस्या

कानूनी तौर पर आए प्रवासी — जैसे रोज़ा और रोजगार के तलाश में भारत आते है।

गैर-कानूनी। घुसपैठी की समस्या — जैसे रोज़ा और गैर कानूनी ढंग से भारत आते है।
- → वे या तो गैर-कानूनी गतिविधियों को अंजाम देते है।
- → या तो यहाँ रह रहे आबादी पर और बोझ डालते है।

- भारत प्रमुख कुछ शरणार्थी
- तिब्बती शरणार्थी, बांग्लादेशी शरणार्थी, अफगान शरणार्थी, श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी, रोहिंग्या शरणार्थी, चकमा और हेजोंग शरणार्थी।

- शरणार्थियों को कई तरह का संकट का सामना करना पड़ता है! —

- मानवाधिकारों का हनन
- मानव तस्करी
- पहचान की संकट
- राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा
- राजनीतिक अस्थिरता
- जनसंख्या में वृद्धि
- अराजकता
- अलगाववाद की समस्या
- इसके अलावा शरणार्थियों को रास्ते में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जिससे कभी जान भी चली जाती है।

समस्याओं के समाधान हेतु उपाय एवं नीतियाँ

-> प्रवासी की जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु समय समय पर केंद्र एवं राज्य सरकारों के द्वारा कई नीतियाँ बनाई गई है।

-> हाल ही में कोविड-19 महामारी का बार होने से प्रवासी मजदूरों के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार तरह-तरह के अनुदान एवं सहायता प्रदान की है।

-> इन समस्याओं से उबरने के लिए कार्यक्रमों पर नीतियों का पुर्ननिर्माण और व्यापक कानून का अधिनियमन किया जाना चाहिए।

-> प्रवासी श्रमिक आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का लाभ उठा सके इसके लिए सरकार को विशेष पहचान पत्र जारी करना चाहिए।

-> सभी राज्यों में छोटे एवं मध्यम उद्योगों जैसे ग्रामीण कुटिर उद्योग तथा हस्तकला, खाद्य प्रसंस्करण एव अन्य उद्योगों का विकास करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

-> दूसरे देश से अवैध रूप से आये प्रवासी की पहचान हेतु केंद्र सरकार के द्वारा NRC और CAA जैसे कानून लाये गए है।

-> इन कानूनों को बेहतर ढंग से लागू करने की जरूरत है जिसके लिए पहले लोगों को इसका सही अर्थ समझाना जरूरी है जिससे देश में अराजकता की स्थिति उत्पन्न न हो।

अत: उपरोक्त तथ्यों के माध्यम से भारत में प्रवासी संबंधित समस्याएं तथा उसके समाधान हेतु कुछ उपायों को देखा जा सकता है।